Course code	Inscriptions, Manuscriptology and Scripts, Paper –VII	L	T	P	C
MBUPA20Y201	शिलालेख, पाण्डुलिपि विज्ञान और लिपियाँ, प्रश्न–पत्र – 7	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- अभिलेखों की व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- ऐतिहासिक तथ्यों के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- सम्पादन की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- लिपियों के पठन–पाठन में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- पालि भाषा की ऐतिहासिक विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पालि भाषा की पाण्डुलिपियों की वैशिष्ट्य का पता चलना।
- ग्रन्थ सम्पादन में पाठ निर्धारण की पद्धति ज्ञान होना।
- सम्पादन की पद्धतियों का अभिज्ञान और अभ्यास होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- भाषा और लिपि के पठन कौशल का विकास होना।
- पाण्डुलिपियों के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- सम्पादन के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियाँ एवं प्रयोगों का विकास होना।
- विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- विरासत के इतिहास के प्रति जागरूक होना।

Unit-1 — **18**

प्राकृत के प्रमुख शिलालेख–

- सम्राट् खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख।
- सम्राट् अशोक के गिरनार शिलालेख।
- हाथीगुम्फा अभिलेख का भाषागत परिचय।
- गिरनार शिलालेख भाषागत परिचय।
- शिलालेख में प्रयुक्त लिपियाँ।

Unit-2 — **16**

पाण्डुलिपियाँ–

- पाण्डुलिपि विज्ञान का परिचय।
- पाण्डुलिपियों का महत्व।
- पाण्डुलिपियों का संरक्षण।

Ashisha

आशीष जैन

- पाण्डुलिपि ग्रंथ रचना प्रक्रिया।
- पाण्डुलिपियों के पाठ।
- पाठविकृति एवं उसके कारण।

Unit-3	20

सम्पादन पद्धति–

- संपादन प्रक्रिया।
- काल – निर्धारण।
- शब्द और अर्थ की समस्या।
- पाठालोचन।
- पाण्डुलिपि संबंधी पारिभाषिक शब्दावली।

Unit-4	19

पाण्डुलिपियों की राष्ट्रीय व्यवस्था–

- राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन।
- उद्देश्य
- परियोजना।
- कार्य – सम्पादन, सूचीकरण, प्रकाशन।
- आधुनिक पाण्डुलिपि संग्रहालय।

Unit-5	17

प्रमुख लिपियाँ–

- लिपि–परिचय।
- लिपि का उद्भव और विकास।
- मुख्य लिपियों का परिचय।
- लिपियों का इतिहास।
- ब्राह्मी, खरोष्ठी, शारदा, ग्रंथ, नेवारी, देवनागरी परिचय।

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text/ Reference Books

- अशोक के अभिलेख : डॉ. राजबली पाण्डेय, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
- पाण्डुलिपि विज्ञान– डॉ. सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
- पाण्डुलिपि परिचय – अयोध्या चन्द्र दास. चन्द एण्ड कंपनी लि. रामनगर, नई दिल्ली।
- पाण्डुलिपि विज्ञान – रामगोपाल शर्मा दिनेश।
- शोधप्रविधि तथा पाण्डुलिपि विज्ञान– प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र
- पाण्डुलिपि : सूचीकरण एवं सम्पादन – डॉ. महेन्द्र कुमार जैन 'मनुज', प्राकृत जैनशास्त्र और अहिंसा शोध संस्थान, वैशाली, (विहार)।
- पाठालोचन : सिद्धान्त और प्रकिया – मिथिलेश कत्रे
- पाठानुसंधान – डॉ .सियाराम तिवारी।
- भारतीय पाठालोचन की भूमिका – डॉ. एस.एम. कत्रे।
- प्राचीन लिपिमाला – डॉ. गौरीशंकर हीराचन्द्र ओझा।
- भारतीय लिपियों की कहानी – गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
- ब्राह्मी लिपि प्रवेशिका – रवीन्द्र कुमार वशिष्ठ, कुन्दकुन्द भारती, नई दिल्ली।
- शारदा लिपि दीपिका – डॉ. श्रीनाथ तिक्कू, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
- ब्राह्मी लिपि चंद्रिका – डॉ. महावीर प्रभाचंद्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2019।

Ashishes

आशीष जैन

Course code	Pali Kavya aur Katha Sahitya, Paper – VIII	L	T	P	C
MBUPA20Y202	पालि काव्य और कथा साहित्य, प्रश्न–पत्र – 8	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives :

- काव्य और कथा साहित्य की समग्र जानकारी प्रदान करना।
- नाटकों के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- पालि भाषा के अभ्यास के प्रवृत्ति को विकसित करना।
- काव्य लेखन में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome :

- कथा–सम्बन्धी क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- संवाद लेखन की दक्षता और सूक्ष्मता का पता चलना।
- काव्य की विशेषताओं का परिचय कराना।
- क्षेत्रीय भाषाओं की प्रवृत्तियों का अभिज्ञान होना।

Student Learning Outcomes (SLO) :

- कथा कहने के कौशल का विकास होना।
- काव्य और कथा के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- कथा के लिए नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- कथा के माध्यम से सामाजिक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1	18
• बुद्धचरित– अश्वघोष	
Unit-2	**16**
• अट्ठकथा साहित्य–उद्भव और विकास • अट्ठ कथाओं के विकासात्मक सोपान • पालि अट्ठकथाएं • अभिधम्म अट्ठकथाएं	
Unit-3	**20**
• धम्मपद अट्ठकथा • जातकट्ठथा • अभिधम्म अट्ठकथा	
Unit-4	
• धम्मपाल • उनकी अट्ठकथाएं • अन्य अट्ठकथाकार	
Unit-5	**17**

Ashishdev

आशीष देव

- अभिधम्मपिटक अट्ठकथा साहित्य

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text/ Reference Books

- शारिपुत्रप्रकरण – अश्वघोष
- पालि साहित्य का इतिहास –भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2008।
- पालि भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर, जगतगुरु रामानन्दाचार्य सं. विश्वविद्यालय, जयपुर, 2015
- पालि साहित्य का इतिहास –महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 1963
- पालि साहित्य का इतिहास, डॉ. कोमलचन्द्र जैन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1987
- पालि भाषा और साहित्य – डॉ. इन्द्रचंद शास्त्री, दिल्ली विश्वविद्यालय, सन् 1987
- पालि साहित्य का इतिहास – प्रभा अग्रवाल।

Ashishya

Course code	Modern Pali Literature, Paper – IX	L	T	P	C
MBUPA20Y203	आधुनिक पालि साहित्य, प्रश्न–पत्र – 9	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- आधुनिक रचनाकारों की समग्र और व्यापक जानकारी कराना।
- पालि काव्य रचना के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- पालि भाषा के अभ्यास के प्रवृत्ति को विकसित करना।
- पालि भाषा में लेखन कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- पालि भाषा की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पालि भाषा में संभाषण दक्षता का विकास होना।
- समकालीन रचनाओं का सम्यक् ज्ञान होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- पालि भाषा में रचना कौशल का विकास होना।
- आधुनिक विषयों में लेखन की सोच विकसित होना।
- भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- भाषा सम्बन्धी समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- पालि के पारम्परिक ज्ञान का आधुनिक सन्दर्भ में अभ्यास कराना।

Unit-1	18

- प्रो. धर्मानन्द कोसाम्बी और प्रो. वापट के कार्य

Unit-2	16

- राहुल सांकृत्यायन का समग्र योगदान

Unit-3	20

- भिक्षु जगदीश कश्यप का समग्र योगदान

Unit-4	19

- आनन्द कौशल्यायन का समग्र योगदान

Unit-5	17

- प्रो. जगन्नाथ उपाध्याय
- प्रो. रामशंकर त्रिपाठी
- प्रो. लक्ष्मी नारायण तिवारी
- प्रो. ब्रह्मदेव नारायण शर्मा एवं नव नालन्दा महाविहार का योगदान

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text/ Reference Books

- पालि साहित्य का इतिहास –भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2008
- पालि भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर, जगतगुरु रामानन्दाचार्य सं. विश्वविद्यालय, जयपुर, 2015
- पालि साहित्य का इतिहास –महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 1963
- पालि साहित्य का इतिहास, डॉ. कोमलचन्द्र जैन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1987
- पालि भाषा और साहित्य – डॉ. इन्द्रचंद्र शास्त्री, दिल्ली विश्वविद्यालय, सन् 1987
- पालि साहित्य का इतिहास – प्रभा अग्रवाल।
- बौद्ध संस्कृति – महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, आधुनिक पुस्तक भवन, कलकत्ता,
- बौद्ध संस्कृति – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर।

Ashisha

आशीष जैन

Course code	Acharya Buddhaghosha and His Literature (Elective), Paper – X	L	T	P	C
MBUPA20Y204	आचार्य बुद्धघोष और उनका साहित्य (ऐच्छिक पत्र), प्रश्न–पत्र – 10	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

1. आचार्य बुद्धघोष के योगदान की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
2. पालि भाषा के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
3. भाषा के इतिहास के अध्ययन की प्रवृत्ति को विकसित करना।
4. दार्शनिक विषयों के अध्ययन में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

1. पालि भाषा की क्षमताओं एवं महत्त्व का अभिज्ञान होना।
2. पालि भाषा के पारम्परिक ज्ञान की सूक्ष्मता का पता चलना।
3. बौद्ध परम्परा के ग्रन्थों के गूढ़ ज्ञान का अभ्यास होना।
4. बुद्धघोष की दृष्टि का ज्ञान होना।
5. समकालीन ज्ञान–विज्ञान में प्राचीन ज्ञान का उपयोग होना

Student Learning Outcomes (SLO):

1. छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
2. ज्ञान के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
3. भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का ज्ञान होना।
4. भाषागत प्रयोगों और समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1	18

बौद्ध आचार्य परम्परा में आचार्य बुद्धघोष का स्थान।

- आचार्य बुद्धघोष का इतिवृत्त।
- आचार्य बुद्धघोष का समय।
- आचार्य बुद्धघोष विषयक अन्य सामग्री।

Unit-2	16

- आचार्य बुद्धघोष की कृतियों का सामान्य परिचय

Unit-3	20

- महा अट्ठकथा साहित्य का विस्तृत परिचय

Unit-4	19

- विसुद्धिमग्ग–पूर्वार्द्ध

Unit-5	17

- विसुद्धिमग्ग–उत्तरार्द्ध

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text/ Reference Books

- पालि भाषा और साहित्य – डॉ. इन्द्रचंद शास्त्री, दिल्ली विश्वविद्यालय, सन् 1987
- पालि साहित्य का इतिहास – प्रभा अग्रवाल।
- पालि भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर, जगतगुरु रामानन्दाचार्य सं. विश्वविद्यालय, जयपुर, 2015
- पालि साहित्य का इतिहास –महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 1963
- पालि साहित्य का इतिहास, डॉ. कोमलचन्द्र जैन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1987

Ashishray

आशीष राय

Course code	Philosophical Literature of Acharya Vasubandhu and Dharmakirti, (Elective) Paper –X	L	T	P	C
MBUPA20Y205	आचार्य वसुबंधु और धर्मकीर्ति का दार्शनिक साहित्य (ऐच्छिक पत्र), प्रश्न–पत्र –10	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- बौद्धदर्शन की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- दार्शनिक साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- पालि भाषा के विचार पक्ष का ज्ञान कराना।
- वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- पालि भाषा की चिंतनपरक क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पालि भाषा की वैचारिक सूक्ष्मता का पता चलना।
- तर्क पद्धति का सम्यक् ज्ञान होना।
- तर्क–विश्लेषण की क्षमता का विकास होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- तार्किक कौशल का विकास होना।
- तार्किक अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- चिंतन के लिए नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- तार्किक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-1 — **18**

आचार्य वसुबन्धु और उनकी कृतियाँ–

- बौद्ध परम्परा में आचार्य वसुबन्धु का स्थान।
- आचार्य वसुबन्धु द्वारा लिखित दार्शनिक ग्रन्थों का परिचय।
- आचार्य वसुबन्धु द्वारा रचित अन्य ग्रन्थों का परिचय।
- आचार्य वसुबन्धु कृत टीका ग्रन्थ।

Unit-2 — **16**

- आचार्य धर्मकीर्ति एवं उनके द्वारा रचित ग्रन्थों का परिचय

Unit-3 — **20**

- अभिधर्मकोश

Unit-4 — **19**

- प्रमाणवार्तिक–पूर्वार्द्ध

Unit-5 — **17**

- प्रमाणवार्तिक–उत्तरार्द्ध

आहरीज पंत

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text/ Reference Books

- बौद्ध–दर्शन मीमांसा – आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्या भवन, चौक वाराणसी।
- पालि साहित्य का इतिहास –भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2008।
- बौद्ध संस्कृति – महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, आधुनिक पुस्तक भवन, कलकत्ता,
- बौद्ध संस्कृति – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर,
- अभिधर्मकोश– मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी
- प्रमाणवार्तिक – मूलग्रन्थ, हिन्दी व्याख्या सहित।

Ashisha

Course code	Basic Principles of Bauddha Religion and Philosophy (Elective) Paper – X	L	T	P	C
MJAPR20Y206	बौद्ध धर्म और दर्शन के मूल सिद्धांत (ऐच्छिक पत्र), प्रश्न–पत्र – 10	6	0	0	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में चिंतन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- दार्शनिक विचारों के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- आचार में नैतिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- दर्शन की क्षमताओं एवं विशेषताओं का अभिज्ञान होना।
- तार्किक दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का पता चलना।
- सह–अस्तित्व के संरक्षण की भावना विकसित होना।
- जीवन को आदर्श बनाने का विचार विकसित होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
- विषय के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- विचार की नूतन विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- बौद्ध परम्परा के दैनन्दिन उपयोगी ज्ञान का अभ्यास कराना।

Unit-1 — **18**

बौद्ध धर्म–

- बौद्ध धर्म का सामान्य परिचय।
- बौद्ध धर्म की परम्परा।
- बौद्ध धर्म का स्वरूप।
- बौद्ध धर्म का महत्त्व।
- बौद्ध धर्म में बोधिसत्व।

Unit-2 — **16**

बौद्ध आचार–

- बौद्ध धर्म की आचार परम्परा।
- आर्य सत्य
- पंचशील
- अष्टांगिक मार्ग
- श्रमण की विनय

Unit-3 — **20**

बौद्ध धर्म के प्रमुख सिद्धान्त

• क्षणिकवाद • विज्ञानवाद • सत्–असत्	
Unit-4	**19**
बौद्धदर्शन की प्रमाण–व्यवस्था– • प्रमाण का स्वरूप एवं उसके भेद–प्रभेद। • ज्ञान और उसके भेद। • प्रत्यक्ष प्रमाण • परोक्ष प्रमाण • अनुमान प्रमाण	
Unit-5	**17**
• पंचस्कन्ध • प्रतीत्य समुत्पाद • अनात्मवाद • शून्यवाद • अनीश्वरवाद	

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		
Text/ Reference Books		
• बौद्ध–दर्शन मीमांसा – आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्या भवन, चौक वाराणसी। • पालि साहित्य का इतिहास –भरतसिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2008। • बौद्ध संस्कृति – महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, आधुनिक पुस्तक भवन, कलकत्ता, • बौद्ध संस्कृति – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर, • बौद्ध–दर्शन – बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्या भवन, चौक, वाराणसी।		

Ashutosh

Course code	Dissertation/Project work , Paper – XI	L	T	P	C
MBUPA20Y207	लघु शोध निबन्ध/परियोजना कार्य, प्रश्न पत्र – XI	4	0	6	10
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- दर्शनशास्त्र की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- पालि साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- पालि भाषा के आचार मार्ग का ज्ञान कराना।
- वैचारिक कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- पालि भाषा की चिंतनपरक क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पालि भाषा की वैचारिक सूक्ष्मता का पता चलना।
- तर्क पद्धति का सम्यक् अभिज्ञान होना।
- तर्क विश्लेषण की क्षमता का विकास होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- तार्किक कौशल का विकास होना।
- तार्किक अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- चिंतन के लिए नूतन तकनीक एवं विधियों का ज्ञान होना।
- तार्किक समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

प्रत्येक विद्यार्थी को बौद्ध दर्शन एवं पालि भाषा के किसी एक शीर्षक पर 40 पृष्ठों का लघु शोध निबन्ध/परियोजना कार्य की प्रस्तुति अवश्यक होगी।

Ashishray

Course code	Subjective Presentation & Comprehensive Viva, Paper – XII	L	T	P	C
MBUPA20Y208	विषय प्रस्तुति और विस्तृत मौखिकी, प्रश्न पत्र – 12	0	0	6	6
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		100 Marks			

Course Objectives:

- पालि विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में पालि साहित्य सम्बन्धी शोध–खोज के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- पालि भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- दर्शन के क्षेत्र में शोध करने हेतु कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।

Course Outcome:

- पालि भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान होना।
- दर्शन और बौद्ध दर्शन में दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का पता चलना।
- भाषा और दर्शन में शोध के आयामों का ज्ञान कराना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- भाषा और वाक्–कौशल का विकास होना।
- विषय के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- शोध के लिए नूतन तकनीक एवं प्रयोगों का विकास होना।
- शोध सम्बन्धी समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रश्न पत्र संख्या 7 से 11 तक पढे गये विषयों में से किसी एक विषय पर विषय प्रस्तुति और विस्तृत मौखिकी देनी होगी।

Ashishray

Course code	Analytical Proficiency & Computational Skills Viva Paper – XII	L	T	P	C
MBACP/CO/2206	[illegible]	0	0	4	2
Pre-requisite	Nil	Syllabus version 100 Marks			

Course Objectives:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

Course Outcome:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

Syllabus / Learning Outcomes (SLO's):

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible] 2 से 14 तक एक विषय [illegible] एक [illegible] एक [illegible] होगी।